पाठ ५२

1. यिशुके परमेश्वर भेजिहन कहके निकोदेमसके कइसन थाहा रहे ?
    - काहेकि यिशु बहुत चमत्कारसब करतरनी जउन परमेश्वर सिर्फ कर कहतरनी ।
2. पानीद्वारा जनमेके परि कहेलाके मतबल बप्तिस्मा ह ?
    - ना ।
3. का बप्तिस्मा लिएला त हम बचावेला ?
    - ना ।
4. यिशु पानीद्वारा जनमेके परि कहेलाके मतबल कथी ह ?
    - पानीद्वारा जनमेलाके मतलब हमनी आपन पापसबके पश्चात्ताप करेके परि ताकि परमेश्वर हमनीके पापसब मिटादे ।
5. आत्माद्वारा जन्मेके परि कहेके यिशुका मतलब कथी ह ?
    - जब आदम आ हब्वा पाप कइल आ परमेश्वरके आज्ञा उलंघन कइल ओकुनीसब आत्मा परमेश्वरमे मरगेल ।
6. यिशु शरीर शरीरके जनम दिएला आ आत्मा आत्माके जनम दिएला कहेलाके मतलब कथी ह ?
    - यिशुके मतमल शरिरिक जनम केवल शारिरिक जनम दिहन ।
    - पवित्र आत्मा परमेश्वर सिर्फ जउन सिर्फ आदमीके आत्माके नयां आत्मा देसकेला ।
7. परमेश्वरके अनुसार संसारमे दु आदमीसब कउन बा ?

- ओकुनीसब जउन एक बाट सिर्फ जनमेला आ ओकुनीसब जउन फेनु नयां तरिकेसे जनमेला ।

8. कउन परिवारके आदमीसब केवल एकबार सिर्फ जनमेला ?
    - शैतानके परिवारके आदमीसब ।
9. कउन परिवारके आदमीसब केवल दु बार जनमेला ?
    - ओकुनीसब परमेश्वरके परिवारके बा ।
10. परमेशवर मरुभूमिमे मोसाके बनावो कहेला सांप आ यिशु कइसन एक रहे ?
    - यिशु कहेवाला वात यिहा लिखेला ।
    - जइसन कांसके सांप खम्बामे रहेके परि यिशु भि वइसन हि क्रुसमे मरेके परि ।
    - कांसके सांपको देखके इस्रेलीसब निमन भेल जइसन यिशु भि वहांमे विश्वास करेवालके बचावेला रहे ।
11. परमेश्वर काहे यिशुके ए संसारमे भेजदेलक ?
    - परमेश्वर यिशुके हमनीके पाप मृत्यु आ शैतानसे मुक्त करेलाके भेजेहन ।
12. का जउन यिशुमे विश्वास करे ओकुनीसब परमेश्वरसे निन्दित होवेला ?
    - ना ।
13. जउन यिशुमे विश्वास ना करेला ओकुनीसब पहिलेसे हि निन्दित बा ?
    - काहेकि ओकुनीसब उद्धारकर्ता यिशुमे विश्वान ना करेला ।
14. काहे आदमीस परमेश्वरके वचन सुनेके नइखे चाही ?

- काहेकि ओकुनीसब पापके मन परावेला ।

- एगो दिन यिशु कफर्नहुम गाएमे फिरगइल ?

मर्कुस २:१-२ पढलजाइ

कइ दिनन बाद यिशु फिर कफर्नहुममे अइलन । अउर सुनलगइल कि ऊ घरमे बाडन । ने एतना लोग एकठ्टा हो गइल कि दुवारके लगे जगा ना मिलल । अउर ऊ व लोगके बचन सुनावतरहले ।

- बुहत आदमीसब यिशुके शिक्षा सुनेलाके आगेल ।
- यिशु ओकुनीसबके परमेश्वरके वचन सिखाइल ।
- यिशु सिखाएवाला परमेश्वरके वचन आ अभिन हमनी अपने लोगके सिखाइलरहे परमेश्वरके वचन उही ह ।
- परमेश्वरके वचन परिवर्तन ना भइल ।
- परमेश्वरके वचन सब आदमीसबके निमित्त जहियो वही रहेला ।
- यिशु कहेवाला परमेश्वरके वचन ऊ आदमीसब सुनले जइसन परमेश्वर आपने लोग भि हमनी सुनाएवाला परमेश्वरके वचन सुनदेवो कहके चाहनी ।
- काहेकि यिशु एगो घरमे सिखावतरनी बहुत आदमीसब यिशुके शिक्षा सुनेलाके आइल त वहां कउनो खाली जगा नइखे ।
- केमारीके बाहससमेत वहां कउनो खाली जगा नइखे ।
- यिशु सिखावेलाके सममयमे कउनो एगो अपाङ्ग आदमीके वहां लियागेल ।

मर्कुस २:३ पढलजाइ ।

लोग एकु लकवाके मारल रोगीके चार आदमीसे उठवाके उनकरा लगे ले अइललु

1. का ऊ अपाङ्ग आदमी खुदके ठीक पारेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
2. का ऊ अपाङ्गके अउरो आदमीसब ठीक पारेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
3. का कउनो डाक्टर ऊ अपाङ्गके ठीक पारेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
    - जइसन ऊ अपाङ्ग आदमी आपनके बचावेलाके सक्षम ना रहे त कउनो भि आपनके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेके सक्षम नइखे ।

4. ऊ अपाङ्ग आदमीके आदमीसब कथी कइलन ?

मर्कुस २:४ पढलजाइ

बांकी जन ऊ लोग भिडके कारण उनकरा लगे ना पहुच सकले त ऊ लो ऊ खपडैल घरके जउनका निचे ऊ लोग रहे खोलदिहलन । जब ओकराके हटा चुकलन अउर ओ खटियाके जउनपार व लकियाके मारल रोगी पडलरहे लटका दिहललु ।

- वहां बहुत आदमीसब यिशुके शिक्षा सुनतरनी त वहां कउनो खाली जगा नइखे वइसने ऊ लोग ऊ अपाङ्ग आदमीके घरके छतमेसे लेकर गइल ।
- ओकुनीसब छतमे एक प्वाल बनाइल आ ऊ अपाङ्गके ऊ प्वालसे ओकर खटियासहित यिशुके लगे गिरादेल ।
- काहेकि यहुदीसब घरके छत माटीसे बतावेला त आदमीसबके छत खोलके ऊ आदमीके यिशुके लगे पहुचाके सम्भव भइल ।

5. ऊ आदमीसब केकेराके लगे ऊ अपाङ्गके पहुचाइल ?
    - यिशुके सामने ।
6. कउन एगो सिर्फ रहे जउन सिर्फ ऊ आदमीके ठिक पारेके सकेला ?
    - यिशु ।
7. यिशु कथी कइलन ?

मर्कुस २:५ पढलजाइ

यिशु उनहीके विश्वासके देखके व लकवाके मारल रोगीसे कहलन हे बेटा तोहर पाप माफ हो गइल ।

- यिशु ऊ आदमी वहांके सचमे विश्वास करेलागल देखलन आ ऊ अपाङ्ग आदमीके ओकर पापसब क्षमा करदेलन ।
- वहां कउनो व्यवस्थाके शिक्षकसब रहत रनी ।

8. जब यिशु ऊ अपाङ्ग आदमीके पापसब क्षमा कइल त ऊ व्यवस्थाके शीक्षक सब कथी सोचलन ?

मर्कुस २:६-७ पढलजाइ ।

तब कितना सास्त्री लोग जउन वहां बइठल रहले ऊ लोग अपना अपना मनमे विचार करे लगले कि यि आदमी काहे अइसन करत बा यि त परमेश्वरके बुराइ करत बा अउर परमेश्वरके छोडके भला ऊ पापके माफ कर सकेला ?

- व्यवस्थाके शिक्षक केवल परमश्वर सिर्फ पाप क्षमा करेके सकिहन कहके विचार करलन ।

9. का व्यवस्थाके शिक्षकके सोचाइ ठीक बाडे ?
   - हां ।
10. का परमेश्वर सिर्फ पाप क्षमा करेला कहेवाला वात ठीक बा ?
   - हां ।
11. का कउनो आदमी पाप क्षमा दिएके सकिहन ?
   - ना ।
12. का कउनो पुरेत पाप क्षमा दिएके सकिहन ?
   - ना ।
13. यिसु कइसन ऊ आदमीके पाप क्षमा दिएके सक्षम भइल ?
   - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
   - व्यवस्थाके शिक्षकसब यिशु ईश्वर निन्दा करतरनी कहके सोचतरनी ।
14. का व्यवस्थाके शिक्षकसबके सोचाइ ठीक रहे ?
   - ना ।

15. का यिशु ईश्वर निन्दा करत रनी ?

- ना ।
- यिशु ईश्वर निन्दा ना करतरनी ।

16. का यिशु व्यवस्थाके शिक्षकसब कथी सोचतरनी कहके जानगेल ?

मर्कुस २:८ पढलजाइ ।

यिशु तुरन्तै अपना आत्मामे जान लिहले कि ऊ लोग अपना अपना मनमे अइसन बिचार करताने अउर ऊ व लोगसे कहलन तुलोग आपन आपन मनमे का विचार कर तरजा ।

- यद्यपि व्यवस्थाके शिक्षकसब मुहसे कुछ ना बोलल फेनु यिशु ओकुनीसब मनमे कथी सोचलन कहके जानगेल ।
- काहेकि यिशु परमेश्वर बारन त वहां आदमीके मनमे आएवाला सब विचारसब जानसकेला ।

17. ओकराके बाद यिशु कथी कहलन ?

मर्कुस २:९-१२ पद पढलजाइ

सहज का बा लकवासे मारलका यि कहल कि तोहार पाप माफ होगइल आ यी कहल कि उठ आपन खटिया उठाके चलफिर । बाकी जउनासे तु लोग जान ल जा ए आदमीके लइकाके धर्ति पर पाप माफ करेके भि अधिकार बा । ऊ व लकवासे मारल रोगीसे कहलन हम तोहरासे कहतनी उठ आपन खटिया उठाके अपना घरे चलजा । अउर ऊ उठल

आ तरन्तै खटिया उठाके सामनेसे निकलके चल गइल । एकर सब चकित भइलन अउर परमेश्वरके बडाइ करके कहे लगलन हमनीके अइसन कबै नइखिज देखले ।

- यिशु आदमीसबके आपनसंगे पाप क्षमाके अधिकार रहेके जिकिर कइलन ।

18. यिशुसंगे आदमीसबके पाप क्षमा करेलाके अधिकार कइसन रहे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
    - अपाङ्ग आदमीके पुर्ण रुपसे ठीक पारके यिशु वहां परमेश्वर बारन शक्ति दिखाइल ।

19. यिशु कइसन बिमारी आदमीसबके ठीक पारके सक्षम रहे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
    - केवल परमेश्वर सिर्फ अपाङ्गके पुर्ण ठीक पारेके सकिहन ।
    - ओकराके बाद यिशु कफर्नहुम गावं जनदिकके ताल रहेवाला जगामे गइल ?

मर्कुस २:१३-१४ पद पढलजाइ

यिशु फिर निकले झिलके किनारे गइलन । अउर सब भीड उनकरा लगे आइल अउर ऊ व लोगके उपदशे देवे लगलन । जातेमे यिशु अल्फइके बेटा लेबिके मसुलके चौकीपर बैठल देखलन । अउर उनकरासे कहलन । हमरा पिछे आव । अउर ऊ उठके उनकरा पिछे हो लिहले ।

- यिशु बात करतरनी त वहां लेवी कुलके एगो आदमीसे मिलल ।

20. ऊ लेवीके नाम कथी रहे ?
    - मत्ती ।

21. यिशु मत्तीके बुलाइलाके समयमे ओकर काम कथी रहे ?
    - ऊ एगो कर सङ्कलक रहे ।
    - मत्ती रोमीसबके निमित्त कर सङ्कलन करतरनी ऊ आपन यहुदी आदमीसंगे कर सङ्कलन करतनरी ।
    - काहेकि कर सङ्कलक ओकुनीसबके आपन जनसंगे कर सङ्कलन कइल त ऊ कर रोमीके देलन आ वइसने यहुनीसब कर सङ्कलकके घृणा कइलन ।
    - यहुदीसब कर सङ्कलकके यिहे कारणसे भि घृणा करत रनी कि ऊ सब बहुत दुष्ट रहे ।
    - कर सङ्कलकसब यिहुदीसबके बहुत कर दिएक दबाद दिअल आ अतिरिक्त रकम खुद रखगेल ।
    - यिशु ऊ कर सङ्कलक मत्तीके आपनसंगे चलल कहलन ।
    - काहेकि मत्ती आपन परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेलाके महसुस कइल ।
    - काहेकि मत्तीके परमेश्वर सब पापके दण्ड मृत्यु दिएला कहके थाहा रहे ।
    - काहेकि मत्तीके केवल परमेश्वर सिर्फ ओकुनीके बचावेला कहके थाहा रहे ।

- काहेकि मत्तीके यिशु ही उद्धारकर्ता बारन कहेके थाहा रहे ।
- बुहत वरष बाद पवित्र आत्मा परमेश्वर परमेश्वरके पुस्तकमे एगो पुस्तक लिखेलाके प्रेरित कइलन ।
- काहेकि मत्ती यिशुके आपन उद्धारकर्ताके रुपमे विश्वास करके निमन रहे त ऊ यिशु आ वहांके चेलासबके आपन घरमे भोजके नेउता देलन ।

मर्कुस २:१५-१६ पढलजाइ ।

अउर यिशु उनकरा घरमे खाना खाए खातिर बैठलन । अउर ढेर चुङ्गी लेवेवाला अउर पापीलोग यिशुके अउर उनकरा चेरलके साथे खाना खाएखातिर बैठलल लु । अउर शास्त्री लोग अउर फरिसी लोग यि देखेके कि यिशु पापी लोग अउर चुङ्गी लेवेवाला लोगके साथे खाना खा ताडे त ऊ उनकरा चेलनसे कहलन तोहनी के गरु त चुङ्गी लेवेवाला अउर पापी के साथ खा पिअल बा ।

22. जब यिशु मत्ती आ अउरो आदमीके साथमे खाइला देखके व्यवस्थाके शिक्षकसब जउन फरिसी रहे ऊ कथी कइलन ?
    - ओकुनीसब कहलन कि काहे यिशु पापी आ कर सङ्कलकके साथमे रहके खाइरहे ।
    - फरिसी आपन पापी बा कहके विश्वास ना कइलन ।
    - फरिसीसब आपन पापरिहत बा कहके सोचलन ।
    - फरिसीसब सब आदमीसब पापमे जनमेला कहके ना बुझलन ।

- फरिसीसब सआ आदमीसब परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेला कहके ना बुझलन ।

23. फरिसीसब का कहेला बात सुनके यिशु कथी जवाफ देलन ?

मर्कुस २:१७ पढलजाइ ।

यिशु यि सुनके उनहिसे कहलन निमन आदमीके बैद्यके जरुरत नइखे बांकी बिमरीएनके बा हम धर्मी लोगनके खातिर नइखे बाँकी पापी लोगने बोलावेखातिर आइल बानी ।

- यिशु ख्रीष्ट ओकुनीसबके स्वस्थ आदमीके बैद्यके जरुरत नइखे लेकिन बिमारीके जरुरी बा कहलन ।

24. यिशु अइसन कहलनका मतबल कथी रहे ?
    - यिशुका मतबल यिहे रहे कि वहां ओकुनीसबके बचावेके आइलन जउन आपन बिमारी बा कहके ना सोचलन ।
    - यिशु ओकुनीसबके सिर्फ बचावेलाके आइलन जउन ओकुनीसब बिमारी बा कहके विश्वास कइलन ।
    - यिहां एगो उदाहरण बा ।

25. यदि कउनो आदमी बिमारी बा लेकिन ऊ आपन बिमारी बा कहके ना थाहा पाइलन त का ऊ बैद्यके वहां जाइलन ?
    - ना ।

26. काहे ?
    - काहेकि ऊ आपन बिमारी बा कहके थाहा ना पाइलन ।

- यिशु ऊ आदमीसबके बचावेलाके ना आइलन जउन आपनके पापरहित ठानलन ।

27. यिशु केकेराके बचाबेलाके आइलन ?
    - यिशु ऊ आदमीके बचावेलाके आइलन जउन आपन परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेला स्वीकार करेला आ केवल परमेश्वर सिर्फ ओकुनीसबके बचाबेके सकिहन कहके विश्वास करेला ।

28. अपने का विचार करनल ?
29. का अपनेके आपन पापमे जनमलरहे कहके थाहा बा ?
30. का अपनेके आपन परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेला कहके थाहा बा ?
31. का अपनके परमेश्वर सब पापके दण्ड मृत्यु दिएला कहके थाहा बा ?
32. का अपनेके केवल उद्धारकर्ता परमेश्वर सिर्फ बचावेके सकिहन कहके थाहा बा ?

- अगर अपनेके यि बात थाहा रहे त यिशु कहलन कि यिशु ए संसारमे अपनेके उद्धारकर्ता बनेलाके आइलन ।